

अरिमर्दन पुं. (तत्.) शत्रु का नाश, शत्रुनाशन वि. शत्रुनाशक

अरिया स्त्री. (देश.) नदी-सरोवर के किनारे रहनेवाली मछली खाने वाली एक छोटी चिड़िया।

अरिन्न पुं. (तद्.) सोलह मात्राओं का एक छंद जिसके अंत में दो गुरु वर्ण होते हैं।

अरिषड्वर्ग पुं. (तत्.) 1. पाँच ज्ञानेंद्रियाँ और एक मन; कुल छह शत्रुओं का समुदाय 2. काम, क्रोध, मद, मत्सर, लोभ और मोह ये छह शत्रु, षड्रिपु।

अरिष्ट पुं. (तत्.) 1. अविनाशी, अक्षत 2. अनिष्ट, दुर्भाग्य, शत्रु, अमंगल, विपत्ति 3. अशुभ शकुन 4. नीम 5. लहसुन 6. रीठा 7. कौवा 8. गिद्ध 9. मादक सुरा 10. अनिष्ट ग्रहयोग, मृत्यु कारक योग 11. भूकंपी उत्पात 12. लंका के पास का एक पर्वत 13. एक असुर वृषभासुर जिसे श्री कृष्ण ने मारा था 14. एक प्रकार का व्यूह वि. (तत्.) अशुभ।

अरिष्टक पुं. (तत्.) रीठा, रीठे का वृक्ष।

अरिष्टगृह पुं. (तत्.) जिस घर में किसी महिला की प्रसूति हो, प्रसूतिगृह, सौरी।

अरिष्टसूदन वि. (तत्.) अशुभ या दुर्भाग्य का निवारण करने वाला पुं. विष्णु।

अरिष्टा स्त्री. (तत्.) कश्यप ऋषि की पत्नी और दक्ष प्रजापति की पुत्री जिससे गंधर्व उत्पन्न हुए माने जाते हैं।

अरिष्टिका स्त्री. (तत्.) 1. रीठा 2. कुटकी।

अरिहन वि. (तत्.) शत्रुओं को मारने वाला, अरिनाशक पुं. शत्रुघ्न 2. जिनदेव।

अरिहा वि. (तत्.) शत्रुहंता, शत्रुघ्न पुं. शत्रुघ्न।

अरी अव्य. (तद्.) स्त्रियों के लिए संबोधनसूचक शब्द प्रयो. अरी शीला! थोड़ी देर के लिए मेरे पास आना पुं. अरे।

अरीठा पुं. (तद्.) रीठा।

अरीत स्त्री. (तद्.) दे. अरीति।

अरीति स्त्री. (तत्.) रीति के विरुद्ध होनेवाला आचरण, कुरीति, अनुचित कार्य।

अरीतिक वि. (तत्.) अपारंपरिक, अविधिक, अनौपचारिक।

अरीना थियेटर पुं. (अं.) गोल आकृति का प्रेक्षागार (इस आकृति के प्रेक्षागार में कहीं कहीं कुश्ती लड़ने के लिए अखाड़ा भी होता है) टि. 'अरीना' शब्द का अर्थ 'गोलाकार प्रेक्षागृह के मध्य की खुली जमीन' होता है।

अरुंधती स्त्री. (तत्.) 1. वशिष्ठ मुनि की पत्नी 2. दक्ष की एक कन्या 3. एक आरोही लता 4. सप्तर्षि मंडल में स्थित एक तारा।

अरु पुं. (तद्.) 1. सूर्य 2. आक या मदार का वृक्ष 3. नेत्र 4. लाल खैर 5. घाव, जख्म संयो. और, तथा।

अरुआ, अरुवा पुं. (देश.) एक प्रकार का बड़ा वृक्ष जो बंगाल, मध्य भारत और दक्षिण भारत के जंगलों में पाया जाता है और इसकी लकड़ी से ढोल, तलवार की म्यान आदि बनाए जाते हैं। इसके कंद की सब्जी बनती है।

अरुक वि. (तत्.) दे. अरुज, रोगहीन, नीरोग।

अरुक्ष वि. (तत्.) जो रुखा न हो 1. स्निग्ध 2. समतल, सपाट 3. चिकना, कोमल।

अरुग्ण वि. (तत्.) नीरोग, रोगरहित, जो बीमार न हो, स्वस्थ।

अरुचि स्त्री. (तत्.) 1. रुचि का अभाव, अनिच्छा 2. विरक्ति, घृणा 3. अग्नि मांद्य रोग, जिसमें भोजन की इच्छा नहीं होती।

अरुचिकर वि. (तत्.) 1. अरुचिकर, जो अच्छा न लगे 2. कुढ़न पैदा करनेवाला 3. घृणास्पद।

अरुज वि. (तत्.) 1. रुजा अर्थात् रोग से रहित, नीरोग, 2. स्वस्थ, तंदुरुस्त

अरुझना अ.क्रि. (देश.) 1. उलझना, फँसना, अटकना 2. लड़ना-झगड़ना।

अरुझाना स. क्रि. (देश.) उलझाना, फँसाना।

अरुण पुं. (तत्.) 1. उगता हुआ रक्तवर्ण सूर्य 2. सांध्य लालिमा 3. सूर्य का सारथी 4. लाल रंग, 5. सूर्य 6. सिंदूर का रंग 7. माघ माह का सूर्य 8. कुंकुम 9. गुड़ 10. एक प्रकार का कष्ट, रोग